दैनिक भास्कर सिटी लाइफ 20-01-2022

ऑनलाइन एग्जिबीशन में डिसप्ले किए हैं 15 स्टूडेंट्स के आर्टवर्क

Online Exhibition

ठप्पा ग्रुप की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप हुई। इस दौरान जो आर्ट वर्क बनाए गए उन्हें ऑनलाइन एग्जिबीशन में डिसप्ले किया गया है।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

पैंडेमिक से लगी पाबंदियों की वजह से ठप्पा- ए ग्रुप ऑफ प्रिंट मेकर्स की ओर से इम्प्रेशन- रिलीफ प्रिंट । ऑनलाइन वर्कशॉप हुई। इसके बाद इस वर्कशॉप के दौरान जो आर्ट वर्क बने उन्हें ऑनलाइन एग्जिबीशन में डिसप्ले किया गया। ठप्पा नाम के इस ग्रुप के फाउंडर हैं चंडीगढ़ के राहुल धीमान, हरियाणा के अरविंद शर्मा, शशि कुमार और महेश। चंडीगढ़ से रश्मिता भी इस ग्रुप से जुड़ी हैं। राहुल ने इसके बारे में बताया- पिछले साल जब लॉकडाउन हुआ तो हमने ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया। इसमें प्रोफेशनल और आर्ट स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। हाल ही में इनके काम लो-कार्बुजिए सेंटर में डिसप्ले किए गए। अब फिर से पैंडेमिक की वजह से पाबंदियां शुरू हुई तो हमने ऑनलाइन वर्कशॉप में उन स्टूडेंट्स को शामिल किया जो प्रिंट मेकिंग के नए थे ताकि कुछ नया सीखने के साथ उन्हें अवेयर भी कर सकें। अभी हमने स्टूडेंट्स के काम ऑनलाइन ही डिसप्ले किए हैं। जब हालात सुधरेंगे तो चंडीगढ़ में या हरियाणा में गैलरी में एग्जीबिट करेंगे। इसका उद्घाटन जाने-माने कलाकार श्याम शर्मा ने किया। इसमें हरियाणा के दो कालेजों के 15 स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया।

मधुमक्खी की जिंदगी

मैं आर्ट स्टूडेंट हूं। प्रिंट मेकिंग में कलाकारों को काम करते हुए देखा था तो चाहती थी कि कभी वर्कशॉप में काम करने का मौका मिले तो इस मीडियम में जानकारी लूंगी। ऑनलाइन ही सही पर पहली बार वर्कशॉप का हिस्सा बनी। मैं पेंटिंग्स में एक सीरीज पर काम कर रही हूं, उसी को लेकर इस मीडियम पर काम किया। मैंने मधुमक्खी और छत्ता दिखाया है। इसमें बताया है कि कैसे वह इसमें रस जमा करती है। ● अंजलि बत्रा

दो चेहरे बनाए पॉजिटिव और नेगेटिव

मैं पेंटिंग बनाती हूं। इस मीडियम में गहराई से जानने, दूसरे कलाकारों का काम देखने और खुद काम करने का मौका पहली बार मिला। मैंने अपने काम में एक लड़की का चेहरा दिखाया है जो सकारात्मक ऊर्जा से भरी है। दूसरी ओर शैतान का चेहरा बनाया जो नकारात्मकता का प्रतीक है। ● मानसी

इनके काम हैं डिसप्ले | इस एग्जिबीशन में अंजलि और मानसी के अलावा अर्श सैनी, दिव्या, कोमल, नैन्सी, निधि रानी, परनीत कौर, पायल, रेणु, शोभा, सिमरन धीर, तमन्ना, यशस्विनी के काम डिसप्ले हैं।

हरिभूमि
रोहतक, गुरुवार, जनवरी 20, 2022
haribhoomi.com
करनाल-पानीपत
हरिभूमि 10

संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा प्रिंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

प्रिंट निर्माताओं के एक समूह (ठप्पा) ने बुद्धा कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन और आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद (एम) कुरुक्षेत्र, हरियाणा के सहयोग से युवा कलाकारों की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला प्रमुख अरविंद शर्मा, संस्थापक सदस्य शशि कुमार, राहुल धीमान और महेश धीमान देखरेख में लगाई गई। प्रख्यात कलाकार पद्म श्री श्याम शर्मा ने किया। सहभागिता विनय अवतारे (एचओडी) ललित कला विभाग, बुद्धा कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, करनाल, रजनीश शर्मा (प्रमुख) बुद्धा कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, डॉ सुनीता पाहवा (प्रिंसिपल) आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहाबाद कुरुक्षेत्र, संतोष (एचओडी) ललित कला विभाग, आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहाबाद कुरुक्षेत्र की रही। कार्यशाला में चर्चा करते हुए कहा गया कि कोविड -19 महामारी के समय में, जब पूरी दुनिया एक ठहराव पर आ गई, थापा ने प्रिंटमेकिंग पर एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित करने का फैसला किया, ताकि युवा कलाकार इस महामारी की स्थिति में काम करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने का एक तरीका खोज सकें। कार्यशाला में अंजलि, अर्श सैनी, दिव्या, कोमल, मानसी, नैंसी, निधि रानी, परनीत कौर, पायल, रेणु, शोभा, सिमरन, तमन्ना, यशस्विनी शामिल रहे।

मुद्रण कला से जुड़ने का किया आह्वान

करनाल। प्रिंट निर्माताओं के एक समूह (ठप्पा) की ओर से युवा कलाकारों के लिए मुद्रण, पेंटिंग कला के संबंध में ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। बुद्धा कॉलेज और आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद के सहयोग से हुई कार्यशाला की अध्यक्षता संस्था के प्रमुख अरविंद शर्मा, संस्थापक सदस्य शशि कुमार, राहुल धीमान और महेश धीमान ने की। इस अवसर पर कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा ने कहा कि मुद्रण के क्षेत्र में दोबारा काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ठप्पा का अर्थ है प्रिंट। जोकि हमारी पारंपरिक संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा है। संस्था का उद्देश्य आने वाले युवा छापा कलाकारों को एक मंच और प्रेरणा देना है कि कैसे वह अपने साथ एक दूसरे कलाकार को लेकर चले। इस कार्यशाला में अंजलि, अर्श सैनी, दिव्या, कोमल, मानसी, नैंसी, निधि रानी, परनीत कौर, पायल, रेणु, शोभा, सिमरन, तमन्ना, यशस्विनी, विनय अवतारे, रजनीश शर्मा मौजूद रहे। संवाद

जागरण सिटी करनाल		गुरुवार, 20 जनवरी, 2022	दैनिक जागरण

'कार्यशाला में सही राह पाने का तरीका खोज सकेंगे युवा'

जागरण संवाददाता, करनाल: प्रिंट निर्माताओं के एक समूह ने बुद्धा कालेज आफ हायर एजुकेशन और आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद कुरुक्षेत्र के सहयोग से युवा कलाकारों की आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला प्रमुख अरविंद शर्मा, संस्थापक सदस्य शशि कुमार, राहुल धीमान और महेश धीमान की देखरेख में लगाई गई। प्रख्यात कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा ने संयोजन किया। कार्यशाला में बुद्धा कालेज के ललित कला विभागाध्यक्ष विनय अवतारे, बुद्धा कालेज आफ मैनेजमेंट के प्रमुख रजनीश शर्मा, आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद कुरुक्षेत्र की प्रधानाचार्य डा. सुनीता पाहवा और ललित कला विभागाध्यक्ष संतोष की सहभागिता रही। कार्यशाला में चर्चा के दौरान कहा गया कि कोविड -19 महामारी के समय में प्रिंट मेकिंग पर आयोजित आनलाइन कार्यशाला के जरिए युवा अपने जुनून को सही राह देने का तरीका खोज सकेंगे। कार्यशाला में अंजलि, अर्श सैनी, दिव्या, कोमल, मानसी, निधि रानी, परनीत कौर, पायल, रेणु, शोभा, शामिल रहे।

विशेषता

- भारतीय पारंपरिक संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा है ठप्पा कला
- विशेषज्ञों ने छात्राओं को दी कला के बारे में जानकारी

आनलाइन कार्यशाला में छात्रा पेंटिंग दिखाते हुए। • कालेज के सौजन्य से

2017 से हुई थी शुरुआत : कार्यशाला में बताया गया कि ठप्पा कला का आशय प्रिंट आर्ट से है। यह भारतीय पारंपरिक संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा है, जो अक्सर मेहंदी की रस्म के समय गांवों में शादियों में प्रयोग किया जाता है।

Vardhman